had filled many high offices and served our Government with intelligence, integrity and distinction. His interests were mainly academic, and the last post which he held was the Vice-Chancellorship of the University of Travancore. We greatly regret his passing away, and I would ask you to stand up for a minute as a token of our respect.

(*Hon. Members then stood in silence for one minute.*)

---

## REFERENCE TO MOTIONS *RE* SINO-INDIAN RELATIONS

**श्री गंगा शरण सिंह** (बिहार) : सभापति महोदय, मैंने आज एक मोशन का नोटिस आपकी खिदमत में भेजा है । पिछली बार जब हम लोग मिले थे उसके बाद से जहां तक हमारे बार्डर का प्रश्न है, हमारी सीमा का प्रश्न है, उसमें नये डेवलपमेंट्स हुये हैं, परिस्थिति जहां थी वहां से ज्यादा खराब हुई है और आज देश में उसको लेकर एक तरह की एग्जाइटी है, एक तरह की परेशानी है । इसलिये मैं समझता हूं कि उस पर हम लोगों को विचार करना चाहिये और आपको इजाजत देनी चाहिये कि हमारे हाउस में वह मोशन डिसकस हो । पिछली बार जब हम मिले थे और उस समय जो बातें हुई थी, और उसके बाद प्राईम मिनिस्टर से भी जो हम लोगों की बातें हुई थीं, उनसे हम यह समझते थे कि शायद मामले में सुधार होगा, परिस्थिति में परिवर्तन होगा, लेकिन इन पिछले दो महीनों में जो कुछ हुआ है उससे परिस्थिति सुधरने के बजाये और बिगड़ी है । अभी जो दूसरा व्हाईट पेपर पबलिश हुआ है उससे परिस्थिति सुधरने के बजाय बिगड़ती नजर आती है । हम लोग जब पिछली बार इस हाउस से अलग हुये थे तो एक विश्वास के साथ अलग हुये थे जैसा कि हमारे प्राइम मिनिस्टर ने कहा था कि जो हमारी जमीन पर कब्जा किया गया है उसका अनकंडिशनल विड्रावल होना चाहिये । लेकिन अभी जो लेटेस्ट लेटर प्राइम मिनिस्टर का गया है उससे कम से कम मुझ पर यह असर पड़ा है कि जो पोजीशन हमने ली थी अनकंडिशनल विदड्राअल की, उससे हम पीछे हटे हैं । जहां हम पिछले सेशन के समय थे वहां हम आज नहीं है । यह देश के लिये एंग्जाइटी का प्रश्न है । जब यह सवाल होता है कि हम भी हट जायं, वह भी हट जायं, तो मुझे एक कहानी याद आती है । किसी आदमी ने किसी की पाकेट मारी और पाकेट का सब माल चुरा लिया । जब वह पकड़ा गया और उससे कहा गया कि यह माल वापस कर दो, तो उसने कहा कि आधा आधा हम बांट लें । वही हालत कुछ आज मुझे मालूम हो रही है । इसलिये मैं चाहता हूं कि इस अहम मसले पर, जब कि सारे देश की आखें हमारी तरफ लगी हुई हैं, इस हाउस में विचार हो । पिछली बार प्राइम मिनिस्टर ने कहा था कि वह जगह बहुत दूर है, वह जगह ऐसी है जहां आदमी नहीं बसते हैं, वह जगह ऐसी है जहां माउंटेनियरिंग के लिये आदमियों को भेजना पड़ेगा । ये सारी बातें हैं, लेकिन इसके चलते क्या हम अपनी सीमा को छोड़ देंगे । यह भी ठीक है कि आज तिब्बत चीन के कब्जे में है और तिब्बत ऊंचाई पर एक प्लेटू है और वहां से शायद उन लोगों को वहां आने में आसानी होती है और हमको वहां जाने में दिक्कत होती है । लेकिन इसके चलते हम अपनी जगह नहीं छोड़ देंगे । मुझे पता नहीं था लेकिन अभी हमारे काश्मीर के मित्र ने बताया कि वहां आदमी नहीं बसते हैं लेकिन काश्मीर की गवर्नमेंट वहां टैक्स वसूल करती है । ऐसी हालत में क्या हमारी लाचारी का आज यह प्रश्न हो गया है कि हम अपनी जगह पर नहीं जा सकते हैं, इसलिये उसे दूसरों के कब्जे में छोड़ देंगे ? आज मैं यह समझ नहीं पा रहा हूं कि हम कहां खड़े हैं । इसलिये मैं आपसे निवेदन करूंगा कि आप इसके लिये समय निर्धारित करें जिससे हम सफाई के साथ अपनी बातों को कह सकें । उधर से वे आगे आगे बढ़ रहे हैं, ऐग्रेशन कर रहे हैं, और इधर हम जहां

[श्री गंगा शरण सिंह]

दो महीने पहले थे उससे पीछे हटे हैं, यह मेरी निश्चित राय है । इसलिये हम चाहते हैं कि आप इसके लिये समय दें ।

MR. CHAIRMAN: Mr. Sinha has given notice of a motion. Dr. Kunzru earlier gave me notice of a motion also, and I had a talk with the Prime Minister. The question will be discussed on the 8th of December. In the other House a discussion will take place the day after tomorrow. We will have further information if we wait for a few days. And so our discussion might be more relevant and more useful also if we wait for some time. So I think we need not discuss all the other things just now. We can postpone the consideration of all these matters till the 8th of December when we will have a full discussion on the Sino-Indian relations.

DR. H. N. KUNZRU (Uttar Pradesh): Sir, I hope we shall be given full time on the 8th December, to discuss the matter, because the time given for the consideration of the matter, when it was discussed last, was quite inadequate to the importance of the subject.

MR. CHAIRMAN: May I say that on the 8th of December we will have the Question Hour till 12? From 12 you can have five hours with an hour for lunch. It is quite adequate. The Prime Minister will answer on the 9th morning after Question Hour. Now, statements by Ministers.

THE MINISTER OF IRRIGATION AND POWER (HAFIZ MOHAMMAD IBRAHIM): Sir, it is a statement of four and a half pages. I seek your permission to lay it on the Table.

MR. CHAIRMAN: Yes. Both the statements, Nos. 1 and 2?

HAFIZ MOHAMMAD IBRAHIM: Yes, Sir.

MR. CHAIRMAN: All right.

---

## STATEMENT *RE* MISHAP TO THE HOIST CHAMBER AT BHAKRA

THE MINISTER OF IRRIGATION AND POWER (HAFIZ MOHAMMAD IBRAHIM): Sir, I beg to lay on the Table a statement on the latest position regarding the mishap to the Hoist Chamber at Bhakra. [*See* Appendix XXVII, Annexure No. 2.]

---

## STATEMENT *RE* INDO-PAKISTAN CANAL WATER DISPUTE

HAFIZ MOHAMMAD IBRAHIM: Sir I also beg to lay on the Table a statement regarding the latest developments on the Indo-Pakistan Canal Water Dispute. [*See* Appendix XXVII, Annexure No. 3.]

---

## STATEMENT *RE* INDO-PAKISTAN CONFERENCE ON EASTERN BORDER PROBLEMS

THE DEPUTY MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRIMATI LAKSHMI MENON): Sir, the House is aware that the Prime Minister of India met the President of Pakistan at Palam airport on September 1, 1959. During their talks it was agreed that a high level conference at Minister level should be held to discuss the disputes and incidents on the Indo-East Pakistan border with a view to eliminating, as far as possible, the causes of these disputes and devising procedures for expeditious demarcation of boundaries and for dealing promptly with any disputes and incidents that may occur.

This Minister-level conference was held from 15th to 22nd October 1959; discussions were held at Dacca from 18th to 20th October and at Delhi on other days.

I am taking this early opportunity to place on the Table of the House the following documents, which